साधारण-शिक्षा-निबन्धावली अङ्क ९ ।

"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।"

आनन्दमय जीवन



पण्डित सोमेश्वर दत्त शुक्ल बी० ए० रचित



"अब नाथ करि करुणा बिलोकहु देव यह वर मांगहूं ।
जेहि योनि जन्महुं कर्मवश तहं 'देशहित' अनुरागहूं ॥"

अभ्युदय प्रेस, प्रयाग



सं० १९७०.

मूल्य सादी पुस्तक का ।|=)   जिल्द बंधी ।।|=)